

हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग द्वारा मोबाइल एवं यूनिटो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आईमेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ सिंह द्वारा कहा गया कि आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली है जिसमें पौधों को मिट्टी के स्थान पर एक हाइड्रोफिलिक पॉलीमर फिल्म पर उगाया जाता है। जिससे लगभग 75ल पानी की बचत होने तथा कृषि निवेशों का न्याय संगत प्रयोग होने से प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है। कुलपति द्वारा यह भी बताया गया की मिट्टी से उत्पन्न होने वाले रोग, कीड़े एवं खरपतवार सब्जी उत्पादन में एक बड़ी बाधा है जिसको आईमेक तकनीक का प्रयोग कर दूर किया जा सकता है। यह एक जलवायुनुकूल तकनीक है जिसमें फल उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं तथा उनका रंग गहरा तथा स्वाद अच्छा होता है।



प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के माध्यम से युवा उद्यमियों, किसानों, शोध छात्रों को आईमेक तकनीक के विषय में कौशल विकास किया जाएगा जिससे कृषि आधारित रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि जापान के द्वारा विकसित इस तकनीक से सब्जियां विशेष कर चरी टमाटर की संरक्षित खेती में देश में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। शाकभाजी अनुभाग के प्रभारी डॉ केशव आर्या द्वारा बताया गया कि आईमेक तकनीक का प्रयोग कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा समस्या ग्रस्त मृदाओं में भी बड़ी आसानी से टमाटर की खेती की जा

सकती है प्रशिक्षण के कोर्स समन्वयक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा तथा प्रशिक्षार्थियों को भ्रमण के साथ-साथ

प्रयोगात्मक कार्य भी कराया जाएगा जिससे वह तकनीकी रूप से समृद्ध होंगे।

कार्यक्रम में डॉ सुरु हीरातसुका, यूनिटो, जापान, डॉ योशिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेबाइल, जापान, डॉ सुशील यामोटा, जापान कॉरपोरेशन, रेखा जैन यूनिटो प्रतिनिधि नई दिल्ली ऑनलाइन के माध्यम से तथा अधिष्ठाता उद्यान, अधिष्ठाता वानिकी, निदेशक प्रसार आदि विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति रहे। प्रशिक्षणार्थियों के रूप में 8 उद्यमियों, 15 किसानों तथा 15 शोध छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।



दैनिक उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

वर्ष: 15

अंक : 66

कानपुर, शुक्रवार 28 मार्च 2025

RNI UPHIN/2010/47220



उद्योग नगरी टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कानपुर समाचार

हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ



अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग द्वारा मोबाइल एवं यूनिटो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आईमेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन

प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ सिंह द्वारा कहा गया कि आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक

उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली है जिसमें पौधों को मिट्टी के स्थान पर एक हाइड्रोफिलिक पॉलीमर फिल्म पर उगाया जाता है। जिससे लगभग 75% पानी की बचत होने तथा कृषि निवेशों का न्याय संगत प्रयोग होने से प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है। कुलपति द्वारा यह भी बताया गया की मिट्टी से उत्पन्न होने वाले रोग, कीड़े एवं खरपतवार सब्जी उत्पादन में एक बड़ी बाधा है जिसको आईमेक तकनीक का प्रयोग कर दूर किया जा सकता है। यह एक जलवायुनुकूल तकनीक है जिसमें फल उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं तथा उनका रंग गहरा तथा स्वाद अच्छा होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ पी के सिंह

द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के माध्यम से युवा उद्यमियों, किसानों, शोध छात्रों को आईमेक तकनीक के विषय में कौशल विकास किया जाएगा जिससे कृषि आधारित रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि जापान के द्वारा विकसित इस तकनीक से सब्जियां विशेष कर चेरी टमाटर की संरक्षित खेती में देश में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। शाकभाजी अनुभाग के प्रभारी डॉ केशव आर्या द्वारा बताया गया कि आईमेक तकनीक का प्रयोग कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा समस्या ग्रस्त मृदाओं में भी बड़ी आसानी से टमाटर की खेती की जा सकती है प्रशिक्षण के कोर्स समन्वयक डॉ रज्जीव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा

हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा तथा प्रशिक्षार्थियों को भ्रमण के साथ-साथ प्रयोगात्मक कार्य भी कराया जाएगा जिससे वह तकनीकी रूप से समृद्ध होंगे। कार्यक्रम में डॉ सुरु हीरातसुका, यूनिटो, जापान, डॉ योशिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेबाइल, जापान, डॉ सुशील यामोटा, जापान कॉरपोरेशन, रेखा जैन यूनिटो प्रतिनिधि नई दिल्ली ऑनलाइन के माध्यम से तथा अधिष्ठाता उद्यान, अधिष्ठाता वानिकी, निदेशक प्रसार आदि विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति रहे। प्रशिक्षणार्थियों के रूप में 8 उद्यमियों, 15 किसानों तथा 15 शोध छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

कानपुर, शुक्रवार

28 मार्च, 2025

चैत्र मास कृष्ण पक्ष 14

सं. 2081 वि.

वर्ष 36, अंक -217 पृष्ठ 12

संस्करण : महानगर

स्वतंत्र भारत



मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.netweb portal : swatantrabharat.net

आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शाकभाजी अनुभाग की ओर से गुरुवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मोबाइल एवं यूनिटो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आईमेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर ये व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने की। उन्होंने कहा कि आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली है, जिसमें पौधों को मिट्टी के स्थान पर एक हाइड्रोफिलिक पॉलीमर फिल्म पर उगाया जाता है। जिससे लगभग 75 प्रतिशत पानी की बचत होती है तथा कृषि निवेशों का न्याय संगत प्रयोग होने से प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है। गया की मिट्टी से उत्पन्न होने वाले रोग, कीड़े एवं खरपतवार सब्जी उत्पादन में एक बड़ी बाधा है, जिसको आईमेक तकनीक का प्रयोग कर दूर किया जा सकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ पीके सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से युवा उद्यमियों, किसानों, शोध छात्रों को आईमेक तकनीक के विषय में कौशल विकास किया जाएगा। इससे कृषि आधारित रोजगार सृजन होगा।

उन्होंने कहा कि जापान के द्वारा विकसित इस



सीएसए में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

तकनीक से सब्जियां विशेष कर चेरी, टमाटर की संरक्षित खेती में देश में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। शाकभाजी अनुभाग के प्रभारी डॉ केशव आर्या ने बताया कि आईमेक तकनीक का प्रयोग कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा समस्या ग्रस्त मृदाओं में भी बड़ी आसानी से टमाटर की खेती की जा सकती है। कोर्स समन्वयक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा। प्रशिक्षार्थियों को भ्रमण के

साथ-साथ प्रयोगात्मक कार्य भी कराया जाएगा, जिससे वह तकनीकी रूप से समृद्ध होंगे। कार्यक्रम में जापान के डॉ सुरु हीरातसुका, डॉ योशिका, डॉ सुशील यामोटा, रेखा जैन आदि लोग मौजूद रहे।

कैपेन रिलेक्स एवं लूज फिट परिधानों को दर्शाता है

कानपुर। ब्राण्ड लिवाइस अपने नए कैपेन ईजी इन लिवाइस के साथ स्टाइल और संस्कृति की सीमाओं को पार करना जारी रखे हुए है। अपने ग्लोबल ब्राण्ड अम्बेसडर म्युज़िक आइकन एवं फैशन ट्रेलब्लेज़र दिलजीत दोसांज़ के साथ यह कैपेन रिलेक्स एवं लूज फिट परिधानों को दर्शाता है, जो आत्मविश्वास और आसानी से स्टाइल को सहज बना देते हैं। साझेदारी सिर्फ स्टाइल के बारे में ही नहीं है, यह एक सांस्कृतिक पल है। आज के दौर में दिलजीत दोसांज़ जैसे कुछ सितारे ट्रेंडज़ को नया आयाम दे रहे हैं। अमीशा जैन मैनेजिंग डायरेक्टर एवं एसवीपी, साउथ एशिया, मध्यपूर्व एवं अफ्रीका, लेवी स्ट्रॉस एंड कंपनी ने कहा दिलजीत दोसांज़ अपने दृष्टिकोण को जीवन में लाकर साबित कर दिया है कि जब आप अपने कपड़ों में अच्छा महसूस करते हैं, तो आपका स्टाइल खुद-बखुद निखर कर सामने आता है।

राष्ट्रीय स्वरूप

हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

कानपुर। सीएसए के शाकभाजी अनुभाग द्वारा मोबाइल एवं यूनिडो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आईमेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ सिंह द्वारा कहा गया कि आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली है जिसमें पौधों को मिट्टी के स्थान पर एक हाइड्रोफिलिक पॉलीमर फिल्म पर उगाया जाता है। जिससे लगभग 75% पानी की बचत होने तथा कृषि निवेशों का न्याय संगत प्रयोग होने से प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है। कुलपति द्वारा यह भी बताया गया कि मिट्टी से उत्पन्न होने वाले रोग, कीड़े एवं खरपतवार सब्जी उत्पादन में एक बड़ी बाधा है जिसको आईमेक तकनीक का प्रयोग कर दूर किया जा सकता है। यह एक जलवायु नुकूल तकनीक है जिसमें फल उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं तथा उनका रंग गहरा तथा स्वाद अच्छा होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण

के माध्यम से युवा उद्यमियों, किसानों, शोध छात्रों को आईमेक तकनीक के विषय में कौशल विकास किया जाएगा जिससे

स्तर के विभिन्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा तथा



कृषि आधारित रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि जापान के द्वारा विकसित इस तकनीक से सब्जियां विशेष कर चेरी टमाटर की संरक्षित खेती में देश में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। शाकभाजी अनुभाग के प्रभारी डॉ केशव आर्या द्वारा बताया गया कि आईमेक तकनीक का प्रयोग कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा समस्या ग्रस्त मृदाओं में भी बड़ी आसानी से टमाटर की खेती की जा सकती है। प्रशिक्षण के कोर्स समन्वयक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय

प्रशिक्षार्थियों को भ्रमण के साथ-साथ प्रयोगात्मक कार्य भी कराया जाएगा जिससे वह तकनीकी रूप से समृद्ध होंगे। कार्यक्रम में डॉ सुरु हीरातसुका, यूनिडो, जापान, डॉ योशिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेबाइल जापान, डॉ सुशील यामोटा जापान कॉरपोरेशन, रेखा जैन यूनिडो प्रतिनिधि नई दिल्ली ऑनलाइन के माध्यम से तथा अधिष्ठाता उद्यान, अधिष्ठाता वानिकी, निदेशक प्रसार आदि विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति रहे।



भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज



आज का कानपुर

हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के शाकभाजी अनुभाग द्वारा मोबाइल एवं यूनिडो, जापान द्वारा संयुक्त रूप से आईमेक टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर हाइड्रोपोनिक्स उत्पादन प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिसकी अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डॉ सिंह द्वारा कहा गया कि आईमेक तकनीक जापान में विकसित एक उन्नत हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली है जिसमें पौधों को मिट्टी के स्थान पर एक हाइड्रोफिलिक पॉलीमर फिल्म पर उगाया जाता है। जिससे लगभग 75% पानी की बचत होने तथा कृषि निवेशों का न्याय संगत प्रयोग होने से प्राकृतिक संसाधनों की बचत होती है। कुलपति द्वारा यह भी बताया गया कि मिट्टी से उत्पन्न



होने वाले रोग, कीड़े एवं खरपतवार सब्जी उत्पादन में एक बड़ी बाधा है जिसको आईमेक तकनीक का प्रयोग कर दूर किया जा सकता है। यह एक जलवायुनुकूल तकनीक है जिसमें फल उच्च गुणवत्ता युक्त प्राप्त होते हैं तथा उनका रंग गहरा तथा स्वाद अच्छा होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के कोर्स निदेशक डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण के माध्यम से युवा उद्यमियों, किसानों, शोध छात्रों को आईमेक तकनीक

के विषय में कौशल विकास किया जाएगा। जिससे कृषि आधारित रोजगार सृजन होगा। उन्होंने कहा कि जापान के द्वारा विकसित इस तकनीक से सब्जियां विशेष कर चेरी टमाटर की संरक्षित खेती में देश में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। शाकभाजी अनुभाग के प्रभारी डॉ केशव आर्या द्वारा बताया गया कि आईमेक तकनीक का प्रयोग कर सूखा प्रभावित क्षेत्रों तथा समस्या ग्रस्त मृदाओं में भी बड़ी आसानी से टमाटर की खेती

की जा सकती है प्रशिक्षण के कोर्स समन्वयक डॉ राजीव द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न सुप्रसिद्ध वैज्ञानिकों द्वारा हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया जाएगा तथा प्रशिक्षार्थियों को भ्रमण के साथ-साथ प्रयोगात्मक कार्य भी कराया जाएगा जिससे वह तकनीकी रूप से समृद्ध होंगे। कार्यक्रम में डॉ सुरु हीरातसुका, यूनिडो, जापान, डॉ योशिका, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मेबाइल, जापान, डॉ सुशील यामोटा, जापान कॉरपोरेशन, रेखा जैन यूनिडो प्रतिनिधि नई दिल्ली ऑनलाइन के माध्यम से तथा अधिष्ठाता उद्यान, अधिष्ठाता वानिकी, निदेशक प्रसार आदि विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थिति रहे। प्रशिक्षणार्थियों के रूप में 8 उद्यमियों, 15 किसानों तथा 15 शोध छात्रों द्वारा प्रतिभाग किया गया।